पाठ- आठ (शुक्रतारे के समान) लेखक- स्वामी आनंद

रूप-रेखा

शुक्रतारे के समान (स्वामी आनंद)

लेखक

- सन् 1917 में महात्मा गांधी जी के संपर्क में आए।
- 'यंग इंडिया' तथा 'नवजीवन' की प्रसार व्यवस्था अपने जिम्मे ली।
- छह माह के लिए साबरमती आश्रम में रहने के लिए पहुँचे।
- ग्राहकों के हिसाब-किताब तथा साप्ताहिक पत्रों को डाक में डलवाने की व्यवस्था का कार्य भार सँभाला।
- कुछ दिन पश्चात इन्हें दोनों साप्ताहिकों के संपादन, प्रेस इत्यादि का सारा कार्यभार सँभालना पड़ा तथा गांधी जी एवं महादेव भाई का सारा समय देश के भ्रमण में व्यतीत होने लगा।
- इस प्रकार लेखक को गांधी जी, उनके निजी सचिव महादेव भाई तथा बाद में प्यारेलाल जी को निकट से जानने का सुअवसर मिला।

महादेव भाई देसाई

- शुक्रतारे के समान गांधी जी के निजी सचिव।
- देश के भ्रमण के दौरान समय निकालकर लेख लिखना तथा लेखक को भेजना।
- अपनी तीक्ष्ण दृष्टि, प्रखर बुद्धि तथा गांधी जी की तालीम ने इन्हें देश-विदेश तथा एंग्लो इंडियन समाचार-पत्रों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय बना दिया।
- गाँधी जी के पास आने से पूर्व सरकार के अनुवाद विभाग में नौकरी की।
- पाठक को मंत्रमुग्ध करने वाला शुद्ध व सुंदर लेखन।
- शार्टहैंड से अनभिज्ञ महादेव गांधी जी की समस्त बातचीत को अपनी लंबी लिखावट में लिखते रहते थे।
- लुई फिशर और गुंथर जैसे बड़े-बड़े धुरंधर लेखक अपनी टिप्पणियों का मिलान महादेव की टिप्पणियों से करते थे।
- महादेव का मृदु व्यक्तित्व ही उनकी शिष्टता की पहचान।
- गांधी जी से अलग उनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।
- रात-दिन का फर्क भूलकर कार्य में व्यस्त रहना तथा असह्य गर्मी में मीलों पैदल चलना।
- असामयिक मृत्यु से यह सितारा आकाश में विलीन।

गांधी जी

- महादेव को पुत्र से भी अधिक मानना।
- महादेव को अपने उत्तराधिकारी का पद सौंपा।
- सन् 1919 में गांधी जी को पलवल स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। उसी समय उन्होंने महादेव को अपना वारिस कहा था।
- 'क्रानिकल' के निडर संपादक हार्नीमैन को देश-निकाला की सज़ा के पश्चात गांधी जी ने 'यंग इंडिया' के संपादन का कार्यभार सँभाला।
- 'यंग इंडिया' के साथ-साथ 'नवजीवन' का भी संपादन किया।
- कुछ दिनों के पश्चात संपादन, साप्ताहिकों तथा प्रेस की जिम्मेदारी लेखक को सौंपकर गांधी जी तथा महादेव भाई देश भ्रमण करने लगे।
- महादेव की आकस्मिक मृत्यु से अत्यंत व्यथित। यह घाव इनके दिल में आजीवन बना रहा।
- इसके पश्चात प्यारेलाल जी को बुलाते समय भी गांधी जी के मुख से 'महादेव' ही निकलता था।

Scanned with CamScanner

लिखित

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30) शब्दों में लिखिए–

1. गांधी जी ने महादेव को अपना वारिस कब कहा था?

उत्तर गांधी जी के लिए महादेव भाई पुत्र से भी बढ़कर थे। सन् 1917 में जब महादेव भाई गांधी जी के पास पहुँचे थे तभी गांधी जी ने उन्हें अपने उत्तराधिकारी का पद सौंप दिया। सन् 1919 में जलियाँवाला बाग के हत्याकांड के सिलसिले में पंजाब यात्रा के दौरान गांधी जी को पलवल स्टेशन पर गिरफ़्तार कर लिया गया था। उसी समय उन्होंने महादेव भाई को अपना वारिस कहा था।

2. गांधी जी से मिलने आनेवालों के लिए महादेव भाई क्या करते थे?

उत्तर अंग्रेज़ों के अत्याचारों से पीड़ित लोग गांधी जी के पास अपनी फरियाद लेकर ग्राम देवी के मणिभवन पर आते रहते थे। महादेव भाई उनकी समस्याओं को सुनकर संक्षिप्त टिप्पणी के रूप में उसे गांधी के समक्ष प्रस्तुत करते थे तथा आने वालों के साथ उनकी मुलाकात भी करवाते थे।

3. महादेव भाई की साहित्यिक देन क्या है?

उत्तर गांधी जी के पास आने से पूर्व महादेव भाई ने टैगोर तथा शरतचंद्र साहित्य का अध्ययन किया। उन्होंने 'चित्रांगदा', 'कच-देवयानी' की कथा पर टैगोर द्वारा रचित 'विदाई का अभिशाप' शीर्षक नाटिका, 'शरद बाबू की कहानियाँ' आदि का अनुवाद किया। इसके अतिरिक्त गांधी जी द्वारा लिखित 'सत्य के प्रयोग' का अंग्रेजी अनुवाद भी उनके साहित्यिक योगदान की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है।

4. महादेव भाई की अकाल मृत्यु का कारण क्या था?

उत्तर वर्धा की असहनीय गर्मी में महादेव भाई प्रतिदिन सुबह पैदल चलकर सेवा ग्राम जाते थे तथा वहाँ दिनभर काम करके शाम को पैदल वापस आते थे। यह सिलसिला लंबे समय तक चलता रहा। इन प्रतिकूल परिस्थितियों में प्रतिदिन ग्यारह मील पैदल चलना उनके लिए हानिकारक सिद्ध हुआ तथा यही उनकी अकाल मृत्यु का कारण बना।

CS Scanned with CamScanner

5. **महादेव भाई के लिखे नोट के विषय में गांधी जी क्या कहते थे?**

उत्तर गांधी जी से मुलाकात के लिए आने वाले लोग शार्टहैंड में वार्तालाप का पूरा ब्यौरा नोट करते थे और वापस लौटकर उसे टाइप करके पुनः गांधी जी के पास 'ओके' करवाने पहुँचते थे। तब गांधी जी उनसे कहते थे कि 'महादेव' के लिखे नोट के साथ थोड़ा मिलान कर लेना था। यह सुनकर लोग दंग रह जाते थे।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए–

1. **पंजाब में फौज़ी शासन ने क्या कहर बरसाया?**

उत्तर पंजाब में फौज़ी शासन के कारण जमकर अत्याचार किया गया था। वहाँ के अधिकांश नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था तथा फौज़ी कानून के अंतर्गत उन्हें उम्रकैद की सजा देकर कालापानी भेज दिया गया। लाहौर के मुख्य राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक पत्र 'ट्रिब्यून' के संपादक श्री काली राम को दस वर्ष के कारावास की सज़ा दी गई। आम लोगों पर अनगिनत अत्याचार हुए।

2. **महादेव जी के किन गुणों ने उन्हें सबका लाड़ला बना दिया था?**

उत्तर महादेव भाई गांधी जी के निजी सहायक थे। उनका अधिकतर समय गांधी जी के साथ देश के भ्रमण तथा उनके प्रतिदिन की गतिविधियों में ही व्यतीत होता था। महादेव भाई गांधी जी के प्रतिदिन के क्रियाकलापों, यात्राओं इत्यादि के विवरण लिखा करते थे। देश-विदेश के समाचार-पत्रों द्वारा गांधी जी पर की गई टिप्पणियों पर भी उनकी नज़र रहती थी तथा वे उन्हें आड़े हाथों लेने वाले लेख भी लिखा करते थे। परंतु साधारण लेख से लेकर विरोधी समाचार-पत्रों की प्रतिक्रियाओं के प्रत्युत्तर तक में उनकी शिष्टाचारपूर्ण शैली सभी का मन मोह लेती थी। सीधी एवं सरल भाषा में सुस्पष्ट लिखावट तथा उच्चतम भावाभिव्यक्ति की अद्भुत विशेषता ने उन्हें सबका लाड़ला बना दिया था।

3. **महादेव जी की लिखावट की क्या विशेषताएँ थीं?**

उत्तर महादेव भाई का हस्तलेखन अत्यंत सुंदर था। भारत में उनका कोई सानी नहीं था। वाइसराय के पास जाने वाले गांधी जी के पत्र महादेव की लिखावट में जाते थे। उनकी बेजोड़ लिखावट देखकर दिल्ली और शिमला में बैठे वाइसराय ठंडी साँसें लिया करते थे। जेट की सी तेजी के साथ सुंदर और सुस्पष्ट लेखन ही उनकी विशेषता थी। उनकी लिखावट में कहीं कोई भी गलती नहीं मिलती थी। लोग टाइप करके लाई गई रचनाओं को उनकी रचनाओं से मिलाकर देखते थे। उनके द्वारा लिखे गए लेख, टिप्पणियाँ, पत्र इत्यादि ज्यों के त्यों प्रकाशित होते थे। उनके समान अक्षर लिखने वाला कोई दूसरा खोजने पर भी मिलना असंभव था। उनकी लिखावट को देखकर सभी मंत्रमुग्ध हो जाते थे।

Scanned with CamScanner